Practical Approach of Shrimad Bhagwat Geeta in Life

- Introducing Shrimad Bhagwat Geeta-a practical Approach
- पृष्ठ भूमिका -Mahabharat
- भयभीत धृतराष्ट्र और दुर्योधन (chapter 1 - stanzas 1 to 7)
- पांडव सेना - कौटुंबिक ऐक्य (chapter 1, stanzas 8 to 18 विरुद्ध कौरव सेना विस्कळित
- अर्जुन का सेना निरीक्षण SWOT analysis (chapter 1 stanzas 19 to 22)
- युद्ध के परिणाम, संस्कृती नाश सामाजिक दूषण (chapter 1 stanzas 28 to) 44
- अर्जुन का धर्मसंकट (chapter 2 1 to 7)
- गुरू शिष्य परंपरा का आज के युग मे आवश्यकता (chapter 2, stanzas 7,8)
- आज की शिक्षण व्यवस्था और गीता (epitom of Geeta)
- गीता का भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे योगदान , सेनानी पर गीता का प्रभाव (chapter 2 stanzas 10 to 27)
- आज के समय मे युद्ध अनिवार्य (chapter 2 stanzas 31 to 36
- कर्मयोग का महत्त्व - chapter 3, 4 ,5, 18)
- जिवन मे उच्च ध्येयवाद कैसे हो (chapter 2 stanzas 52 to72)
- नेतृत्व कैसे करे, नेता बनो (epitom of Geeta)
- सामाजिक व्यवस्था, सहयोग, Cooperative movement (chapter 3 stanzas 10 yo 18)
- Timeless management technique in Geeta several stanzas from chapter 9, 10, 11)
- आज के युग मे धर्म संस्थापना का अर्थ , अवतार का अर्थ (chapter 4, stanzas 1 to 10)
- yagna का वैज्ञानिक अर्थ
- प्राणायाम योग साधना और गीता (chapter 4, 5, 6, 18...chapter 4 stanzas 23 to 38 and several others from various chapters)
- creation of universe, डार्विन, Lamark, sankhya theory (chapter 9, 14...stanzas 1 to 6)
- भक्ति का सही अर्थ (chapter 12, 13, 18, stanzas 44to 49, 55 etc.)
- मे प्रभू का अंश हुं, inferiority complex छोडो (chapter 15)
- समाज व्यवस्था (chapter 4 stabza13 and chapter 18 stanzas 40 to 49)
- environment & ecology (chapter 3, 10 to 18, chapter 9, stanzas 8, 9 10)